



युवा जीवन

दिसंबर 2025

हर जगह और हर पल मसीह के प्रेम के लिए हिचकिचाएं नहीं, पीछे न हटें या खुद को छिपाएं नहीं।

उदारता से दें...!





प्रस्तावना

मेरे प्रिय नौजवानो, हमारे प्रभु यीशु के अनमोल नाम में आपको हार्दिक अभिनन्दन!

दिसंबर का आगमन सभी के लिए एक अनोखी खुशी लेकर आता है, क्योंकि यही वह महीना है जब दुनिया भर के लोग यीशु मसीह के जन्म का उत्सव मनाते हैं।

फिर भी, जहाँ एक ओर ये उत्सव मनाए जाते हैं, वहीं दूसरी ओर हमारे हृदय में अपने ही देश भारत के उन अनगिनत लाखों लोगों के लिए एक गहरा बोझ और लालसा लगातार बनी रहती है—1.46 अरब से ज़्यादा लोग—जो आज भी दर्द, दुःख और अंधकार में जी रहे हैं, यहाँ तक कि यीशु का नाम भी नहीं जानते।

जैसा कि पौलुस कहते हैं, "वचन का प्रचार करो—समय और असमय तैयार रहो।"
क्योंकि यह ज़िम्मेदारी तुम पर है। हर युवा हृदय उस जुनून से जल उठे जो उसने व्यक्त किया था:
"यदि मैं सुसमाचार का प्रचार न करूँ तो मुझ पर हाय है!"

हाल ही में, पूरी दुनिया विश्व कप सेमीफाइनल में जेमिमा को भारत के लिए एक शानदार पारी खेलते हुए देखकर आश्चर्यचकित रह गए। लेकिन उनके शानदार प्रदर्शन के अलावा, जिस बात ने राष्ट्रों को और भी ज़्यादा रोमांचित किया, वह था अपने साक्षात्कार में यीशु का नाम साहसपूर्वक ऊँचे स्वर में घोषणा करना— बिना लजाये उन्हें अपनी जीत का कारण बताना।

इस पीढ़ी में, बहुत से लोग यीशु को केवल तभी पुकारते हैं जब उन्हें संघर्ष करना पड़ता है, लेकिन एक बार जब वे सफल हो जाते हैं, तो वे अपने विश्वास को छिपा लेते हैं, इस डर से कि वे वैश्विक मंचों पर उनके नाम का उल्लेख कैसे करेंगे। बहुत से लोग अपने विश्वास को अपने भीतर ही दबाए रखते हैं। लेकिन जब जेमिमा ने खुले तौर पर और प्रेमपूर्वक गवाही दी, "यीशु मुझमें है, यीशु मेरे लिए सब कुछ है, यीशु मेरी विजय है," तो उसने अनगिनत दिलों में एक पवित्र साहस और विश्वास जगाया—यह विश्वास जगाया कि मैं भी बिना किसी डर के यीशु के नाम का प्रचार कर सकती हूँ!

यह सचमुच विस्मयकारी था।

प्रिय युवा मिल, इस क्रिसमस के ऋतु में, संकोच न करें, पीछे न हटें, और देर न करें। दुनिया को जिसकी सख्त ज़रूरत है, उसे मुक्त भाव से दें...

"हर भारतीय के लिए, 'यीशु का प्रेम' !"

मसीह मिशन में
मोहन सी. लाजरस



Daring Gospel Bricker!

कोई ट्रेंड नहीं मेरे दोस्त

3

युवा जीवन | दिसंबर 2025

हेलो मित्रों! आप सब कैसे हैं? एक और साल खत्म हो गया है! इन महीनों में, हम कई आधुनिक “ट्रेंड्स” पर गौर कर रहे हैं जो हमारे जीवन को बारीकी से प्रभावित करते हैं—हमें परमेश्वर की इच्छा से दूर ले जाते हैं। हम उन हानिकारक प्रवृत्तियों से मुक्त होने के लिए सचेत कदम भी उठा रहे हैं।

इस महीने, आइए एक ऐसे ट्रेंड के बारे में बात करते हैं जो आज की दुनिया में तेजी से फैल रहा है—एक ऐसा ट्रेंड जो हमारे ध्यान और गहन चिंतन की मांग करता है।

छिपी हुई उत्पत्ति

हाल के वर्षों में, एक अजीबोगरीब स्टाइल फैशन में आ गया है—कमर वाली पैंट इस तरह पहनना कि जानबूझकर जाँघिया दिखाई दें। हालाँकि इसे एक आधुनिक स्टाइल माना जाता है, लेकिन बहुत कम लोग इस ट्रेंड की काली और शर्मनाक उत्पत्ति के बारे में जानते हैं। यह प्रथा वास्तव में कारागृह में शुरू हुई थी। समलैंगिक कैदी अपनी जेल की वर्दी इस तरह पहनते थे ताकि दूसरों को यह संकेत मिले कि वे समलैंगिक कृत्यों के लिए उपलब्ध हैं। यह एक गुप्त कोड था जो समान इरादे वाले साथी कैदियों को इस तरह के पापपूर्ण व्यवहार की पहचान करने और उसमें शामिल होने की अनुमति देता था। जेल की चारदीवारी के भीतर शुरू हुआ यह ट्रेंड धीरे-धीरे समाज में फैल गया और अंततः एक फैशन ट्रेंड बन गया। आज, हम इसे हर जगह देखते हैं—एक ऐसी शैली जिसे लोग गर्व से अपनाते हैं, बिना यह जाने कि इसकी पृष्ठभूमि या इसके पीछे की भावना क्या है।

LGBTQ आंदोलन का उदय

यह अधर्मी संस्कृति अब LGBTQ आंदोलन के रूप में विकसित होकर विश्व स्तर पर फैल गई है। आप चाहे किसी भी देश को देखें, यह आंदोलन चिंताजनक रूप से प्रभावशाली होता जा रहा है, और इसका प्रभाव युवाओं और युवा वयस्कों में सबसे ज्यादा है। यह स्कूलों और कॉलेजों के छात्रावासों में भी प्रवेश कर चुका है, युवा मन को भ्रष्ट कर रहा है और पाप को सामान्य बना रहा है। और अब, यह एक कदम और आगे बढ़ गया है—कई युवा साहसपूर्वक अपना जैविक लिंग बदलने का चुनाव करते हैं, सृष्टिकर्ता की योजना के विरुद्ध विद्रोह करते हैं।

मेरे प्रिय युवा भाई-बहन, यह पाप केवल नैतिक भ्रष्टाचार नहीं है—यह आध्यात्मिक विद्रोह है। जिस चीज के बारे में वर्षों पहले खुलकर बात भी नहीं की जाती थी, वह आज इतनी व्यापक क्यों हो गई है? क्योंकि मसीह-विरोधी संसार को अपने शासन के लिए तैयार कर रहा है।

आंदोलन के पीछे की भावना

बाइबल बताती है कि मसीह-विरोधी परमेश्वर द्वारा बनाई गई हर अच्छी चीज का विरोध करता है। वह विकृति और विद्रोह का प्रतीक है, और विश्व स्तर पर स्वीकृति पाने के लिए, वह इस अधर्मी प्रथा को बढ़ावा दे रहा है—ताकि दुनिया उसकी भावना का स्वागत करे। यह

चलन एक देश से दूसरे देश में फैल रहा है। इसकी शुरुआत इज़राइल में भी हुई, जहाँ हर साल एक विशाल “प्राइड परेड” आयोजित की जाती है, जिसमें समलैंगिकता का खुलेआम जश्न मनाया जाता है।

बाइबल क्या कहती है

प्रिय युवाओं, इस सच्चाई को अच्छी तरह समझ लीजिए—बाइबल स्पष्ट रूप से कहती है कि जो कोई भी ऐसे पाप करता है, उसे स्वर्ग के राज्य का उत्तराधिकारी नहीं बनाया जाएगा। यह कोई साधारण सामाजिक चलन नहीं है; यह शैतान द्वारा रचित एक पाप है जिसका उद्देश्य सृष्टिकर्ता का अपमान करना और परमेश्वर का क्रोध भड़काना है। जब लोग पुरुष और स्त्री के लिए परमेश्वर की रचना को त्याग देते हैं, तो वे अपने भीतर परमेश्वर की छवि को नष्ट कर देते हैं। यही कारण है कि शत्रु इस तरह की विकृति को बढ़ावा देता है—ताकि हमारे देश में पुनरुत्थान और परमेश्वर के राज्य के आगमन को रोका जा सके।

युवा पीढ़ी के लिए एक आह्वान

प्रिय भाइयों और बहनों, यह तथाकथित “ट्रेंड” केवल एक सामाजिक आंदोलन नहीं है—यह एक आध्यात्मिक हथियार है जिसका उपयोग शत्रु परमेश्वर के कार्य का विरोध करने के लिए कर रहा है। यदि आप भ्रामक या अधार्मिक विचारों से जूझ रहे हैं, तो उन्हें जगह न दें। प्रार्थना के माध्यम से उनका मुकाबला करें। जहाँ पवित्र आत्मा है, वहाँ स्वतंत्रता और मुक्ति है। यदि आप ऐसे प्रलोभनों पर विजय पाना चाहते हैं, तो पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो जाएँ, जो आपको समस्त सत्य की ओर ले जाता है और हर प्रकार के धोखे पर विजय पाने की सामर्थ्य देता है।

आपकी ज़िम्मेदारी - हमारा रुख

प्रिय भाई, प्रिय बहन! ज़िम्मेदारी आपके हाथों में है। आप ही हैं जिन्हें परमेश्वर ने इस पीढ़ी के लिए खड़ा होने के लिए चुना है। आइए, दृढ़ विश्वास के साथ उठ खड़े हों और कहें, “LGBTQ को ना और पुनर्जागृति को हाँ!”

आइए, पवित्रता में दृढ़ रहें, जिसे दुनिया “फ़ैशन” कहती है उसे अस्वीकार करें, और अपने देश में परमेश्वर के शक्तिशाली कदम के लिए मार्ग तैयार करें। आइए, हम सब मिलकर एक नया ट्रेंड शुरू करें - समझौते का नहीं, बल्कि दृढ़ विश्वास का - एक ऐसी पीढ़ी जो कहेगी: “हम मसीह के पुनर्जागृति के वाहक हैं!”

एक विद्रोही से पुनर्जागृति वाहक

बंगलौर शहर में जन्मे भाई मणि अब्राहम कभी सांसारिक मनोरंजन के गुलाम थे—रील्स, टिकटॉक और हिंसा व पाप से भरी ज़िंदगी के आदी। लेकिन एक अलौकिक मुलाकात ने उनकी कहानी पूरी तरह बदल दी। आइए उन्हीं से सुनें कि कैसे परमेश्वर ने उनके जीवन को छुआ और रूपांतरित किया।

हमें अपने बारे में बताएं।

मेरा नाम मणि अब्राहम है और मैं बैंगलोर में एक प्राइवेट कूरियर कंपनी में काम करता हूँ। मेरा जन्म एक ऐसे परिवार में हुआ था जो यीशु को नहीं जानता था। मेरे दो बड़े भाई और एक बड़ी बहन हैं। जब मेरा सबसे बड़ा भाई छोटा था, तो उसके पैर में सूजन आ गई और वह चल नहीं पाता था। हमारे घर के पास रहने वाले एक मसीही परिवार ने मेरी माँ से कहा, “अगर तुम चर्च जाओगी और प्रार्थना करोगी, तो तुम्हारा बेटा ठीक हो जाएगा।” मेरी माँ मेरे भाई को चर्च ले गई और प्रार्थना की, और प्रभु ने चमत्कारिक रूप से उसे ठीक कर दिया! उस चमत्कार ने उनकी आँखें खोल दीं—उन्हें एहसास हुआ कि यीशु ही सच्चे परमेश्वर हैं। उस दिन से, उन्होंने यीशु को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया और हम सभी को मसीह का अनुसरण करने के लिए प्रेरित करना शुरू कर दिया।

आपका बचपन कैसा था?

मेरी माँ गहरी आस्था और भक्ति करने वाली महिला थीं। वह कभी चर्च जाना नहीं छोड़ती थीं और हमें हर हफ्ते अपने साथ ले



जाती थीं। लेकिन सच कहूँ तो, मैं अपनी मर्जी से नहीं जाता था—मैं सिर्फ इसलिए जाता था क्योंकि मेरी माँ ज़िद करती थीं। मेरा ध्यान हमेशा दुनियादारी में लगा रहता था। रविवार को, मैं बस फ़िल्में देखने के बारे में ही सोचता रहता था। जैसे ही चर्च की प्रार्थना समाप्त होती, मैं थिएटर भाग जाता या मित्रों के साथ बाहर घूमने निकल जाता। यही मेरी रोज़मर्रा की ज़िंदगी थी।

आपके स्कूल के दिनों के बारे में बताएं?

जब मैं हाई स्कूल में पहुँचा, तो मेरा व्यवहार, रवैया और यहाँ तक कि मेरे पहनावे में भी बदलाव आने लगा। मुझे क्लास का मॉनिटर बना दिया गया, जिससे मैं घमंड से भर गया। मैंने उस पद का दुरुपयोग किया। मैं सोचने लगा, “सब मेरी बात सुनते हैं—इसका मतलब है कि मेरे पास ताकत है। अगर मैं लीडर हूँ, तो सबको मेरी बात माननी ही होगी। तो फिर मैं एक गुंडा क्यों न बन जाऊँ?”

मैंने अपने स्कूल बैग में एक छोटा सा चाकू रखना शुरू कर दिया। मैं मज़ाक में उसे अपने दोस्तों को दिखाता, उन्हें चाकू मारने का नाटक करता, बस यह साबित करने के लिए कि मैं बहादुर हूँ। मेरे परिवार को इस बारे में कुछ नहीं पता था। मेरी भाषा गंदी हो गई थी, और मैं खुलकर लड़ता और गालियाँ देता था। मेरी किशोरावस्था ऐसे ही गुज़री।

आपके कॉलेज के बारे में भी बताएं?

जब मैं कॉलेज में आया, तो मेरे कई मित्र थे—लेकिन बदकिस्मती से, वे सभी मेरे जैसे ही थे: आक्रामक और हिंसक। लॉकडाउन के दौरान, यह व्यवहार और भी बदतर हो गया। अगर हम कहीं कोई झगड़ा देखते, तो दूसरों को पीटने के लिए कूद पड़ते। कभी-कभी,

अगर मुझे कोई पसंद नहीं भी होता, तो मैं जानबूझकर झगड़ा शुरू कर देता।

मेरे साथ हमेशा तीन-चार लड़के घूमते रहते थे। मैं चाहता था कि कम से कम दस लोग मेरे अधीन रहें—मैं गुंडों के नेता के रूप में जाना जाना चाहता था! मैंने मशहूर गैंगस्टर्स के बारे में पढ़ना भी शुरू कर दिया और उनकी कहानियों से प्रेरित होने लगा। उसी समय, मुझे टिकटोंक और रील्स की लत लग गई। मैं रोज़ वीडियो बनाता, और जब लोग लाइक और कमेंट करते, तो मुझे बहुत खुशी होती। यह एक जुनून बन गया। मेरे दिन पोस्ट करने, देखने और ज़्यादा लाइक पाने की चाहत में ही बीतते थे।

आपका जीवन परमेश्वर की ओर कैसे मुड़ा?

हालाँकि मैं एक पापी जीवन जी रहा था, फिर भी मैं कभी-कभार चर्च जाता था। लेकिन सब कुछ सामान्य था—न कोई व्यक्तिगत प्रार्थना, न बाइबल पाठ, न पारिवारिक आराधना। मैं सिर्फ़ परीक्षाओं के दौरान, डर के मारे प्रार्थना करता था। यीशु के साथ मेरा कोई सच्चा रिश्ता नहीं था।

2022 में, मेरी बहन की बेटी अचानक बीमार पड़ गई। हम उसे अपने शहर के कई अस्पतालों में ले गए, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। हमारा परिवार बहुत दुखी था और उनकी आँखों में आँसू थे। हताश होकर, हमने जीसस रिडीम्स प्रार्थना लाइन पर फ़ोन किया और प्रार्थना का अनुरोध किया। उन्होंने हमें “आओ प्रार्थना करें” कार्यक्रम के बारे में बताया, और हम इसे नियमित रूप से देखने लगे।

एक एपिसोड के दौरान, भाई मोहन सी. लाज़र ने पहले पापों की क्षमा और फिर चमत्कारों के लिए प्रार्थना की। जब उन्होंने कहा, “बीमारों पर हाथ रखो और प्रार्थना करो,” तो मैंने अपना हाथ अपनी भतीजी पर रखा और प्रार्थना की। फिर अचानक, मैंने मोहन अंकल को यह कहते सुना, “अपना हाथ हटा लो। तुम्हारा पाप इस चमत्कार के आड़े आ रहा है।”

उन शब्दों ने मेरे दिल को छेद दिया। मैं एक तरफ़ गया, घुटनों के बल बैठा, और परमेश्वर के सामने अपने सारे पाप स्वीकार करने लगा। उस दिन, मुझे एक ऐसी गहरी शांति का अनुभव हुआ जो मैंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था—एक ऐसा आनंद जिसने मुझे ऐसा महसूस कराया मानो मैं आकाश में उड़ रहा हूँ! मुझे पूरा यकीन था कि मेरे पाप क्षमा हो गए हैं। उस दिन से, मैं नियमित रूप से “आओ प्रार्थना करें” कार्यक्रम देखने लगा, परमेश्वर के वचन को सुनने लगा और प्रतिदिन प्रार्थना करने लगा। मेरा परिवार भी साथ मिलकर पारिवारिक प्रार्थना करने लगा। मैं, जो पहले दस मिनट भी प्रार्थना नहीं कर पाता था, अब घंटों प्रार्थना में बिताने लगा।



एक नया आह्वान

बाद में, मैं नलुमावादी में इग्राइटर्स कैंप में गया। तीन दिनों तक, मुझे जागृति और यीशु के आगमन के बारे में गहन और प्रभावशाली तरीके से सिखाया गया। वहाँ, मुझे एक नया अभिषेक प्राप्त हुआ और मैंने अपने गृहनगर में प्रभु की सेवा करने के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया। उसी क्षण से, मेरा जीवन पूरी तरह से बदल गया।

अब, अपनी नौकरी के अलावा, मैं सुसमाचार प्रचार में भी सेवा करता हूँ। प्रभु ने मुझे हमारे चर्च के पास्टर के साथ सेवा करने का सौभाग्य भी दिया है। सचमुच, परमेश्वर ने मेरे पूरे जीवन को बदल दिया है।

आज के युवाओं से आप क्या कहना चाहेंगे?

प्रिय नौजवानो, अगर तुम अपना जीवन परमेश्वर को समर्पित कर दोगे, उन चीज़ों को त्याग दोगे जो उसे नापसंद हैं, और उसकी आवाज़ सुनोगे, तो वह तुम्हें अपनी महिमा के लिए एक सामर्थी पात्र के रूप में इस्तेमाल करेगा। जब मैंने उन चीज़ों को स्वीकार किया और त्याग दिया जिन्हें परमेश्वर ने मुझसे छोड़ने के लिए कहा था, तो उसने मुझे अपनी सेवा में इस्तेमाल करना शुरू किया। और वह आपके लिए भी ऐसा ही करेगा।

प्रिय युवा पाठकों, अगर परमेश्वर मनी अब्राहम को, जो एक समय उपद्रवी बनना चाहता था, यीशु मसीह का एक जोशीला सेवक बना सकता है, तो वह आपको भी बदल सकता है! चाहे आज आप किसी भी पाप या बंधन में जकड़े हों, अपना जीवन मसीह को समर्पित कर दीजिए, जैसे उसने किया था, और आप देखेंगे कि प्रभु आपको अपने राज्य के लिए पुनर्जागृति की ज्वाला बना रहे हैं।

उदारता से दें...!

क्रिसमस का मौसम हमेशा अपार खुशियाँ और उत्साह लेकर आता है। उस साल, जैसे-जैसे क्रिसमस नज़दीक आ रहा था, हर कोई त्योहारों को मनाने की तैयारियों में व्यस्त था। लेकिन एलेक्स और उसके परिवार में खुशी या उत्साह का कोई चिन्ह नहीं था।

उस साल, उनकी आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी। बिना कर्ज़ में डूबे हर महीना गुज़ारना भी मुश्किल था। जैसे-जैसे क्रिसमस नज़दीक आ रहा था, एलेक्स का मन बेचैनी से भरा हुआ था: “इस साल हम कैसे मनाएँगे?” फिर भी, अपने बच्चों की खुशी के लिए, उन्होंने एक छोटा सा क्रिसमस ट्री लगाया और उसे टिमटिमाती रोशनियों से सजाया। बच्चों को सपनों में अपनी इच्छा सूची बनाते देख एलेक्स का दिल और भी दुखने लगा।



जैसे-जैसे क्रिसमस नज़दीक आ रहा था, एलेक्स चिंता और निराशा से घिर गया। क्रिसमस से दो दिन पहले, जब परिवार बाहर से घर लौटा, तो वे अपने दरवाज़े के बाहर करीने से रखे कई उपहार के डिब्बे देखकर हैरान रह गए। जाँच करने पर, उन्होंने पाया कि परिवार के हर सदस्य के लिए दो-दो उपहार थे।

उनका हृदय खुशी से भर गया, और क्रिसमस का उत्साह उनके घर में फिर से भर गया। फिर भी कोई नोट नहीं था, कोई नाम नहीं था, कोई सुराग नहीं था—किसी को नहीं पता था कि वे उपहार किसने छोड़े थे। उस साल, एलेक्स और उसके परिवार ने कृतज्ञता और आश्चर्य से भरे हुए, अपने अब तक के सबसे खुशहाल क्रिसमस में से एक मनाया।

क्रिसमस का सच्चा आनंद

जब हम क्रिसमस के बारे में सोचते हैं, तो आमतौर पर नए कपड़े, उपहार, घर की सजावट और स्वादिष्ट उत्सव के भोजन का आनंद लेना ही हमारे मन में आता है। इसमें कुछ भी गलत नहीं है—लेकिन क्रिसमस का सच्चा आनंद हमें जो मिलता है उसमें नहीं; बल्कि हम जो देते हैं उसमें है।

बाइबल कहती है, “क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए” (यूहन्ना 3:16)। परमेश्वर ने हमारे उद्धार के लिए अपना एकलौता पुत्र देकर अपना असीम प्रेम व्यक्त किया। उसी तरह, हमें दूसरों के साथ उनका प्रेम बाँटने के लिए कहा जाता है—खासकर इस क्रिसमस के मौसम में।

इस क्रिसमस पर हम यीशु के प्रेम को कैसे व्यक्त कर सकते हैं?

भलाई करें

जब हम खुशी-खुशी त्योहार मनाते हैं, तो आइए याद रखें—हमारे आस-पास ऐसे कई लोग हैं जो ज़रूरतों और कठिनाइयों से जूझ रहे हैं। हो सकता है आपके आस-पड़ोस में ही कुछ ऐसे लोग हों। उन्हें ढूँढ़ें। उनकी मदद करें।

- किसी कम भाग्यशाली व्यक्ति के साथ अच्छा खाना खाएँ।
- किसी अनाथ या ज़रूरतमंद बच्चे को उपहार दें और उसके चेहरे पर मुस्कान लाएँ।

बाइबल कहती है, “तुम्हारा उजियाला लोगों के सामने चमके कि वे तुम्हारे भले कामों को देखकर तुम्हारे स्वर्गीय पिता की बड़ाई करें” (मत्ती 5:16)। अपने अच्छे कामों से हम परमेश्वर के नाम की महिमा करते हैं। दयालुता का एक छोटा सा कार्य भी किसी के जीवन पर गहरा प्रभाव डाल सकता है। प्रेरित पौलुस ने भी तीमुथियुस को लिखा:

“उन्हें भलाई करने, भले कामों में धनी बनने, और उदार और दान देने में तत्पर रहने की आज्ञा दे” (1 तीमुथियुस 6:18)। आइए हम दुनिया की तरह प्रसिद्धि या पहचान के लिए भलाई न करें, बल्कि अपने कार्यों के माध्यम से मसीह के प्रेम को प्रकट करें।



सुसमाचार बाँटें

क्रिसमस के दौरान सुसमाचार बाँटने का इससे बेहतर समय और कोई नहीं हो सकता। हमारे आस-पास हजारों लोग अभी भी यीशु को नहीं जानते। इस त्यौहार के मौसम में, हम यीशु मसीह के प्रेम के संदेश के साथ मिठाइयाँ, छोटे-छोटे उपहार या कार्ड बाँट सकते हैं। सुसमाचार के जो बीज हम बोते हैं, वे एक दिन फल देंगे—और जिस व्यक्ति के साथ आप इसे बाँटेंगे, वह एक दिन उद्धार पा सकता है।

“वचन का प्रचार करो; समय और असमय तैयार रहो।” (2 तीमुथियुस 4:2)। आइए इस अवसर का उपयोग सुसमाचार फैलाने और मसीह तक आत्माओं को पहुँचाने के लिए स्वयं को समर्पित करने के लिए करें। आइए, हमें जो अमूल्य उपहार मिला है—स्वयं यीशु—उसे और भी लोगों के साथ बाँटें, और इस क्रिसमस को सचमुच सार्थक बनाएँ।



प्रिय युवा मिलों, इस क्रिसमस के मौसम में, भलाई करें, सुसमाचार बाँटें, और बहुतों को परमेश्वर के राज्य में लाने के लिए परिश्रम करें। मसीह के जन्म की आशीष प्राप्त करने के बाद, इसे दूसरों तक पहुँचाएँ—और इस क्रिसमस को सच्चे आनंद और उद्देश्य के साथ मनाएँ!



तोड़ी गयीं सीमाएँ!

मेरा नाम जूलियट है, मैं 19 साल की हूँ और अभी कॉलेज में पढ़ रही हूँ। मेरी बहन 26 साल की है, शादीशुदा है और उसके दो बच्चे हैं। उसका पति 30 साल का है। एक दिन, मेरे जीजाजी मुझे अपनी मोटरसाइकिल पर कॉलेज छोड़ने आए। उसी पल से, मुझे उनके प्रति एक अजीब सा आकर्षण महसूस होने लगा। कुछ ही दिनों में, वह आकर्षण धीरे-धीरे प्रेम में बदल गया, जिसे मैं प्रेम मानती थी। मैं उन्हें अपने होने वाले पति के रूप में देखने लगी और उसी सोच के साथ जीने लगी। जब मेरी बहन को यह पता चला, तो उसने मुझे डाँटा। मेरे माता-पिता ने भी मुझे बहुत डाँटा। फिर भी, मैं उन्हें भूल नहीं पा रही हूँ। हालाँकि हर कोई मुझे कहता है कि मेरी भावनाएँ और विचार गलत हैं, मेरा मन इसे मानने को तैयार नहीं है। सोशल मीडिया और टेलीविजन ऐसी कहानियों और धारावाहिकों से भरे पड़े हैं। आज की दुनिया में, क्या कोई इसे सच में गलत कह सकता है? मेरे सहेलियाँ भी मुझसे कहते हैं, “तुम्हें अपनी मर्जी से जीने का हक है। जिसे चाहो उससे प्रेम करने पर कोई क़ानून नहीं है।” मेरी अंतरात्मा भी कहती है कि ऐसा रिश्ता गलत नहीं है।

— जूलियट, चेन्नई



तुम्हारा पल पढ़कर मुझे सदमा और गहरा दुख दोनों महसूस हो रहा है। परिवार के इस खूबसूरत बंधन को कभी भी विकृत या अपमानित नहीं किया जाना चाहिए। हमारे रिश्ते पवित्र और सम्मानजनक होने चाहिए। तुम्हारी बहन के पति को पिता-समान माना जाना चाहिए—एक ऐसा रिश्ता जिसका सम्मान किया जाना चाहिए, न कि उसे रोमांटिक बनाया जाना चाहिए। ऐसे बंधन को प्रेम या आकर्षण कहना न केवल गलत है, बल्कि उसे वही कहना चाहिए जो वह वास्तव में है—एक अनुचित और पापपूर्ण इच्छा। अपने देवर के प्रति तुम्हारी भावनाएँ प्रेम नहीं, बल्कि वासना हैं—एक खतरनाक और अपमानजनक चीज़।

जूलियट, सिर्फ इसलिए कि टेलीविजन धारावाहिक या सोशल मीडिया ऐसे कृत्यों को सामान्य बना देते हैं, उन्हें सही नहीं बना देता।

लासदी और शर्मिंदगी में समाप्त हुए हैं, जैसा कि मीडिया रिपोर्टों में बार-बार देखा गया है। एक पुरुष का किसी महिला के प्रति या एक महिला का किसी पुरुष के प्रति आकर्षित होना स्वाभाविक है—यह मानवीय भावना का हिस्सा है। लेकिन ऐसा आकर्षण केवल विवाह के पवित्र बंधन में ही पूरा होना चाहिए। उस सीमा के बाहर कुछ भी पाप है।

इस आधुनिक संस्कृति में, जहाँ एक 60 वर्षीय पुरुष का 10 वर्षीय लड़की के प्रति आकर्षण भी माफ़ कर दिया जाता है, वह प्रेम नहीं - बल्कि विकृति और नैतिक पतन है। इसी प्रकार, जब एक 40 वर्षीय महिला 15 वर्षीय लड़के की ओर आकर्षित होती है, तो वह प्रेम नहीं - बल्कि वासना और भ्रष्टाचार है, ऐसे कृत्य जो मानवीय गरिमा को कम करते हैं।

आज, सदाचार, पवित्रता, अनुशासन और सम्मान जैसे मूल्य लुप्त होते जा रहे हैं। जानवरों से भी बदतर व्यवहार करना और उसे आधुनिकता या स्वतंत्रता कहना न तो प्रगति है और न ही सभ्यता। हालाँकि मानवता ज्ञान,

कई लोग जिन्होंने अपने जीवन में ऐसे रिश्तों की नकल करने की कोशिश की है, वे





POCSO Act

तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में आगे बढ़ गई है, लेकिन लोग परमेश्वर द्वारा बनाए गए पवित्र रिश्तों की सुंदरता को भूल गए हैं। इसी नैतिक पतन ने राष्ट्रों के लिए सख्त कानून बनाना आवश्यक बना दिया है।

उदाहरण के लिए, POCSO अधिनियम (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) बच्चों की सुरक्षा के लिए लाया गया था क्योंकि वयस्क - जिनका काम उनकी रक्षा करना है - ही उनकी मासूमियत और जीवन को नष्ट करने वाले बन गए हैं।

जूलियट, अगर तुम इस पापमय रास्ते से हटने का फैसला करती हो, तो तुम फिर से एक नया जीवन शुरू कर सकती हो।

इस गलत इच्छा पर काबू पाने में तुम्हारी मदद करने के लिए यहाँ कुछ कदम दिए गए हैं:

- ▶ स्वीकार करो कि तुम्हारे विचार गलत हैं। आज्ञादी की ओर पहला कदम है स्वीकारोक्ति।
- ▶ अपनी सोच बदलो। अपनी कल्पना को पापमय इच्छाओं को बढ़ावा न देने दो।
- ▶ ऐसी फ़िल्में या कार्यक्रम देखने से दूर रहो जो कामुक विचारों को भड़काते हैं या अनैतिक संबंधों को मज़बूत करते हैं।
- ▶ कुछ समय के लिए अपनी बहन के घर जाने या उसके पति से मिलने से दूर रहो।
- ▶ बुरी संगति से दूर रहो—ऐसे दोस्तों से जो इस तरह के पापमय व्यवहार को बढ़ावा देते हैं।
- ▶ रोज़ प्रार्थना करो, यह समझते हुए कि यह इच्छा पाप है और अगर तुम इसे जारी रखोगी तो यह तुम्हें अशुद्धता की ओर ले जाएगी।
- ▶ केवल यीशु मसीह ही तुम्हारे पापों को क्षमा कर सकते हैं और तुम्हें आज़ाद कर सकते हैं।
- ▶ अगर तुम बदलने को तैयार हो तो कुछ भी असंभव नहीं है।

लेकिन अगर तुम यह सोचते रहो, “यह गलत नहीं है,” और इस इच्छा को पोषित करो...

- ▶ तुम्हारे विचार जल्द ही कर्मों में बदल सकते हैं।
 - ▶ हो सकता है कि आप एक अनैतिक और टूटी हुई ज़िंदगी जीएँ।
 - ▶ आपकी बहन का परिवार बिखर सकता है।
 - ▶ उसके दो बच्चों का भविष्य बर्बाद हो सकता है।
 - ▶ आपका अपना परिवार आपको अस्वीकार कर सकता है और समाज आपको शर्मिंदा कर सकता है।
 - ▶ आप अपनी पढ़ाई, प्रतिष्ठा और शांति खो सकते हैं, और अपमान का प्रतीक बन सकते हैं।
 - ▶ निराशा में, आप ऐसे विनाशकारी फैसले भी ले सकते हैं जिनका आपको हमेशा पछतावा रहेगा।
- हर पाप कर्म शुरू में सुखद लगता है, लेकिन अंत में, वह केवल दर्द और आँसू ही लाता है।

किसी गलत विचार को तभी सुधारना बुद्धिमानी है जब वह विचार ही हो - क्योंकि एक बार जब वह कर्म में बदल जाता है, तो वह गहरा दुःख और शर्मिंदगी लाएगा।



जूलियट, एक पल रुको और सोचो। तुम अभी भी इस गढ़ से बाहर आ सकती हो। यीशु मसीह हर पाप को क्षमा करते हैं और नया जीवन देते हैं। केवल वही तुम्हें पापी विचारों के इस बंधन से मुक्त कर सकते हैं। अपनी कमज़ोरियों को परमेश्वर के सामने समर्पित करो, प्रार्थना में दृढ़ रहो, और तुम्हें निश्चित रूप से मुक्ति मिलेगी। “हे प्रभु, तेरे समान कोई नहीं जो बलवानों के विरुद्ध बलहीनों की सहायता करे।” (2 इतिहास 14:11)

भलाई करो

“वह (कुरनेलियुस) एक भक्त था और अपने सारे घराने समेत परमेश्वर का भय मानता था, ज़रूरतमंदों को उदारता से दान देता था, और निरन्तर परमेश्वर से प्रार्थना करता था” — (प्रेरितों के काम 10:2)।

रोमी सुबेदार, कुरनेलियुस, हालाँकि सच्चे परमेश्वर से अनभिज्ञ था, फिर भी यह मानता था कि वास्तव में एक परमेश्वरीय सत्ता है जो महिमा के योग्य है। इसी विश्वास के कारण, उसने उदारता से भरा जीवन जिया और गरीबों और ज़रूरतमंदों को दान दिया। एक दिन, एक स्वर्गदूत प्रकट हुआ और उससे कहा, “तुम्हारी प्रार्थनाएँ और तुम्हारे दान परमेश्वर के सामने एक स्मारक के रूप में पहुँचे हैं।”

दूसरों के लिए हम जो भी दयालुता का कार्य करते हैं, वह परमेश्वर की हज़ूरी तक पहुँचता है। इसलिए, हमें भलाई करने और उदारता का अभ्यास करने के लिए स्वयं को समर्पित करना चाहिए।

हमें भलाई क्यों करनी चाहिए?

1. यह परमेश्वर की आज्ञा है

“देश में दरिद्रों का आना कभी बंद नहीं होगा; इसलिए, मैं तुम्हें आज्ञा देता हूँ कि तुम अपने भाई, अर्थात् अपने देश के दरिद्र और ज़रूरतमंदों के लिए अपना हाथ खोलो।” — व्यवस्थाविवरण 15:11

हमारे प्रभु गरीबों और दीन-दुखियों के प्रति करुणा और चिंता से भरे हैं; इसीलिए उन्होंने यह आज्ञा दी। बाइबल चेतावनी देती है कि जो कोई गरीबों का उपहास करता है या उनका अपमान करता है, वह वास्तव में उनके रचयिता का अपमान करता है (नीतिवचन 17:5)। हमें कभी भी उन लोगों का तिरस्कार नहीं करना चाहिए जो साधारण हैं या संघर्ष कर रहे हैं, क्योंकि परमेश्वर स्वयं उनकी गहरी परवाह करते हैं।

2. भलाई करना प्रभु को उधार देना है

“जो गरीब पर दया करता है, वह प्रभु को उधार देता है, और वह उसका दिया हुआ बदला चुकाएगा।” — नीतिवचन 19:17

जब आप गरीबों को देते हैं, तो आप वास्तव में प्रभु को उधार दे रहे होते हैं! बहुत से लोग मानते हैं कि वे केवल तभी परमेश्वर को देते हैं जब वे चर्च में दशमांश या चढ़ावा चढ़ाते हैं, लेकिन वचन कुछ और कहता है। जब भी आप किसी विधवा, अनाथ

या संकटग्रस्त व्यक्ति की मदद करते हैं, तो आप सीधे परमेश्वर को दे रहे होते हैं—और वह निश्चित रूप से आपको इसका प्रतिफल देगा।

प्रभु ने एक बार मुझसे स्पष्ट रूप से कहा था:

“जैसे तुम सेवकाई के लिए एक हिस्सा अलग रखते हो, वैसे ही गरीबों के लिए भी एक हिस्सा अलग रखो।”

तब से, अपने निजी जीवन में और हमारे यीशु उद्धारक मंत्रालय में, मैंने हमेशा अपने दान को तीन भागों में बाँटा है: एक प्रभु के कार्य के लिए, एक ज़रूरतमंद सेवकों के लिए, और एक गरीबों के लिए।

हर मसीही को यह अनुशासन सीखना चाहिए—दूसरों का भला करना—क्योंकि यह एक परमेश्वरीय आज्ञा है।

हमें किसका भला करना चाहिए?

1. उनका जो इसके हकदार हैं

“जिनका भला करना चाहिए, अगर तुम्हारे हाथ में शक्ति हो, तो उनका भला करने से मत रुकना” — (नीतिवचन 3:27)

बाइबल यह नहीं कहती कि हर किसी का भला बिना सोचे-समझे करो; यह कहती है कि उनका भला करो जो सचमुच इसके हकदार हैं। एक बार, एक निहत्था आदमी मेरे पास मदद माँगने आया। उसने रोते हुए कहा, “मुझे अपनी बेटी की शादी

करवानी है, लेकिन मेरे पास मेहमानों के खाने के लिए पैसे नहीं हैं।” हैरानी की बात है कि मुझे उसकी मदद करने का मन नहीं हुआ, इसलिए मैंने बस उसका फ़ोन नंबर लिया और किसी को पुष्टि के लिए भेज दिया। बाद में, हमें पता चला कि उसकी कहानी झूठी थी—कोई शादी ही नहीं हुई थी! इसीलिए परमेश्वर ने मेरा दिल बंद कर दिया।

परमेश्वर नहीं चाहता कि हम धोखा खाएँ; वह हमें निर्देश देता है कि हम सचमुच ज़रूरतमंदों की मदद करें, न कि उन लोगों की जो छल करते हैं।

2. विश्वास के परिवार के लिए

“इसलिए, जब भी हमें अवसर मिले, हम सबका भला करें, विशेष करके विश्वासी भाइयों के साथ।” — (गलातियों 6:10)

जाति या धर्म चाहे जो भी हो, अगर कोई ज़रूरतमंद है, तो उसकी मदद करें। लेकिन खास तौर पर, अपने साथी विश्वासियों पर दया करें—जो नए-नए बचाए गए हैं या विश्वास में संघर्ष कर रहे हैं।

कई साल पहले, एक गाँव में सेवा करते हुए, मेरी मुलाकात एक गरीब विधवा से हुई, जिसकी एक बेरोजगार बेटी थी। उसके पति की आँखों की रोशनी चली गई थी, और उनके पास खाने के लिए कुछ नहीं बचा था—एक मुट्ठी चावल भी नहीं। आँसुओं से भरी उसने कहा, “हम ज़िंदा भी क्यों रहें? हमारी मदद करने वाला कोई नहीं है।”

उसके लिए प्रार्थना करने के बाद, जब मैं जाने ही वाला था, प्रभु ने मुझे से कहा,

“तुम कहते हो कि मैं जरूरत पूरी करूँगा—तुम्हारे बिना मैं और किसके ज़रिए जरूरत पूरी करूँगा? उन्हें दे दो।”

तुरंत, मेरे पास जो भी पैसा था, मैंने उसे दे दिया और कहा, “परेशान मत हो। जैसे प्रभु ने आज जरूरत को पूरा किया, वैसे ही वह हर दिन जरूरत पूरी करता रहेगा।” महीनों बाद, वह खुशी से आई और बोली, “मेरी बेटी को नौकरी मिल गई!” हमने खुशी मनाई और परमेश्वर की महिमा की।

3. परमेश्वर के सेवकों के लिए

“जो वचन की शिक्षा पाता है, वह सिखाने वाले के साथ सब अच्छी चीज़ों में भागी हो।” — (गलातियों 6:6)

जो हमें परमेश्वर का वचन सिखाते हैं, वे हमें मिलने वाली आशीषों में हिस्सा पाने के हक्कदार हैं। उन पासवानों, मिशनरियों और सेवकों का समर्थन करें जो अथक परिश्रम करते हैं, अक्सर बहुत कम पैसों में।



जो गाँव-गाँव पैदल चलकर सुसमाचार प्रचार करते हैं, उनके लिए एक साइकिल खरीदें। उन्हें भोजन, कपड़े या कोई भी ऐसी मदद दें जिससे उनकी सेवकाई मज़बूत हो। जब आप सारपत की विधवा की तरह एलियाह की सेवा करते हैं, तो आप देखेंगे कि परमेश्वर आपको कितनी भरपूर आशीष देता है।

यीशु ने कहा, “जो कुछ तुमने मेरे इन छोटे से छोटे भाइयों में से किसी एक के लिए किया, वह मेरे लिए ही किया।” — (मत्ती 25:40)

हमें भलाई कैसे करनी चाहिए?

भलाई करने के लिए पैसे उधार न लें। इसके बजाय, जो आपके पास पहले से है, उसमें से दें।

अपने आस-पास के लोगों पर ध्यान दें—अपने चर्च, स्कूल या समुदाय में—जो संघर्ष कर रहे हैं और व्यावहारिक मदद की पेशकश करें।

अगर कोई सहपाठी किताबें या फीस नहीं दे सकता, तो उसकी मदद करें।

अगर आप सड़कों पर गरीब लोगों से मिलते हैं, तो उन्हें काम ढूँढ़ने में मदद करें या उनकी ज़रूरतें पूरी करें।

जब आप ऐसा करेंगे, तो परमेश्वर आप पर अपनी आशीषों की भरपूर वर्षा करेंगे।

उपसंहार

भलाई करना वैकल्पिक नहीं है; यह एक सच्चे विश्वासी के दिल की धड़कन है। जब हम दूसरों को आशीष देते हैं, तो स्वर्ग ध्यान देता है।

आइए हम कुरनेलियुस की तरह जीवन जिएं - प्रार्थनापूर्ण हृदय, उदार हाथों और ऐसे जीवन के साथ जो निरंतर परमेश्वर के सामने प्रेम और करुणा के स्मारक के रूप में उभरता रहे।

सनसनीखेज खबर

आप सब कैसे हैं? इस खूबसूरत महीने में, जब हम यीशु मसीह के जन्मोत्सव का जश्न मना रहे हैं, आपसे एक बार फिर मिलकर मुझे बहुत खुशी हो रही है! तो चलिए, इस महीने की हमारी कहानी शुरू करते हैं।

बाइबल में हम पढ़ते हैं कि एक बार यीशु गलील सागर पार करके गिरासेनियों के इलाके में पहुँचे। जैसे ही वे नाव से उतरे, दुष्टात्माओं से ग्रस्त एक व्यक्ति उनकी ओर दौड़ा चला आया। हज़ारों दुष्टात्माओं से भरा यह व्यक्ति अपने जीवन पर नियंत्रण खो चुका था। दुष्टात्माओं ने उसे हिंसक और अस्वाभाविक व्यवहार करने पर मजबूर कर दिया था। कोई भी उसे रोक नहीं सकता था—ज़ंजीरों से भी नहीं। वह दिन-रात कब्रों और पहाड़ों के बीच चिल्लाता और पत्थरों से स्वयं को घायल करता रहता था। लेकिन जब उसने दूर से यीशु को देखा, तो दौड़कर उनके चरणों में गिर पड़ा और उनकी आराधना करने लगा। उसके भीतर के दुष्टात्माओं ने यीशु से विनती की कि उन्हें उस इलाके से बाहर न निकालें, बल्कि पास के सूअरों के झुंड में भेज दें। यीशु ने इसकी इजाज़त दे दी—और उसी क्षण, वह व्यक्ति पूरी तरह से आज़ाद हो गया। जो कभी हिंसक और पीड़ित था, वह शांत और सौम्य हो गया - मसीह का एक सच्चा अनुयायी।

इस चमत्कार पर विचार करते हुए, मैं सोचने लगा: क्या आज भी ऐसे परिवर्तन हो सकते हैं? क्या यीशु अब भी सबसे दुष्ट व्यक्ति का भी हृदय बदल सकते हैं?

और जब मैं इस पर विचार कर ही रहा था, तभी बिहार की एक चौंकाने वाली सच्ची कहानी मेरे सामने आई जिसने मेरे हृदय को झकझोर दिया - GEMS मिशनरी संगठन की एक गवाही।

शैली की कहानी

शैली नाम की एक छोटी बच्ची, जो सिर्फ़ चार साल की थी, अपने माता-पिता दोनों को खोने के बाद GEMS मिशन सेंटर में लाई गई थी। वह एक शर्मिली, शांत बच्ची थी - लेकिन उस प्रेमपूर्ण वातावरण में, उसने बहुत कम उम्र में ही मसीह के प्रेम को जान लिया। वर्षों बाद, जब वह ग्यारह साल की हुई, तो उसके रिश्तेदारों ने धोखे से उसे मिशन से दूर ले जाकर उसकी शादी तय कर दी। इस खबर ने GEMS कर्मचारियों को बहुत दुखी कर दिया। जिस आदमी से उसकी शादी जबरदस्ती करवाई गई, वह एक सरकारी ठेकेदार था, लेकिन वास्तव में, वह एक क्रूर और हिंसक आदमी था - एक क्रूर स्वभाव वाला अपराधी। वह शैली से घृणा करता था और उसके साथ कठोर व्यवहार करता था।

प्रार्थना से चमत्कार

साल बीत गए। एक दिन, इस व्यक्ति का छोटा भाई गंभीर रूप से बीमार पड़ गया। बनारस विश्वविद्यालय अस्पताल में हज़ारों रुपये खर्च करने के बावजूद, कोई सुधार नहीं हुआ। डॉक्टरों ने आखिरकार उम्मीद छोड़ दी। वे उस युवक को घर ले आए, और फिर भी, उन्होंने हर संभव उपाय आजमाए—जादू-टोना, अनुष्ठान और तंत्र-मंत्र—लेकिन कुछ भी काम नहीं आया। उसकी हालत और बिगड़ती गई।

उस निराशाजनक स्थिति में, शैली के पति ने उसकी दृढ़ प्रार्थना जीवन को देखा और टूटे हुए मन से उसके पास आया।

उसने कहा, “कृपया मेरे भाई के लिए प्रार्थना करो।” उसने दृढ़ता से उत्तर दिया, “मैं प्रार्थना करने के लिए तैयार हूँ, और मेरा यीशु उसे ठीक कर देगा। लेकिन तुम्हें एक वादा करना होगा—कि





आज के बाद, तुम फिर कभी हथियार नहीं उठाओगे और यीशु का अनुसरण करोगे।” वह क्रोधित हो गया और बोला, “अगर मेरा भाई ठीक नहीं हुआ, तो मैं तुम्हें गोली मार दूँगा!”

फिर भी, शैली डरी नहीं। वह घुटनों के बल गिर पड़ी और सच्चे मन से प्रार्थना करने लगी।

तीन घंटे तक, उसने पूरे हृदय से परमेश्वर को पुकारा। और फिर—एक चमत्कार हुआ। उसके पति का भाई पूरी तरह से ठीक हो गया! इस सामर्थी चमत्कार ने न केवल एक जीवन बचाया, बल्कि उसके हिंसक पति का हृदय भी बदल दिया। जिस

व्यक्ति ने कभी परमेश्वर से घृणा किया था, उसने अपना जीवन यीशु मसीह को समर्पित कर दिया। साथ मिलकर, दोनों ने सेवकाई के माध्यम से प्रभु की सेवा शुरू की। यहाँ तक कि जब सुसमाचार प्रचार करने के लिए उन पर कई बार हमला किया गया—यहाँ तक कि जब उन्हें एक साथ गोली मार दी गई—तब भी उन्होंने अटूट विश्वास और साहस के साथ अपनी सेवकाई जारी रखी।

वाह... क्या ही अद्भुत परिवर्तन है, है ना मिलों?

यीशु ने न केवल एक बीमार व्यक्ति को ठीक किया, बल्कि उन्होंने एक क्रूर हृदय वाले पापी को भी परमेश्वर का एक वफादार सेवक बना दिया! यह केवल उपचार नहीं है—यह एक हृदय-परिवर्तन का चमत्कार है। जब हम अपनी परीक्षाओं के बीच अटूट विश्वास के साथ यीशु में बने रहते हैं, तो परमेश्वर की सामर्थ्य न केवल उपचार लाती है, बल्कि जीवन को ऐसे रूपांतरित भी करती है जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते।

प्रिय मिलों, परमेश्वर अभी भी जीवन बदलने के कार्य में लगे हुए हैं। जिस तरह उन्होंने शैली का उपयोग उसके परिवार को मुक्ति दिलाने के लिए किया, उसी तरह वह आपका भी उपयोग करना चाहते हैं—दूसरों के लिए परिवर्तन का माध्यम बनने के लिए। क्या आप तैयार हैं, मिलों, वह माध्यम बनने के लिए?

(सनसनीखेज खबर का अंत)



इग्राइटर्स यूथ फ़ेलोशिप एक जगह है जहाँ युवा अपनी आध्यात्मिकता को प्रज्वलित करते हैं जीवन की गहन सच्चाइयों की खोज करें बाइबल, और प्रार्थना करने में शक्ति पाएँ एक समूह के रूप में देश। आपका स्वागत है इस फ़ेलोशिप में शामिल होने और बढ़ने के लिए मजबूत। चलो भी! अपने आप को मजबूत करो, और दूसरों को मजबूत करने के लिए तैयार हो जाइये!

हर पहले रविवार

Mumbai – Dharavi

Timing: 5.00 PM- 7.30 PM

World Revival Prayer Centre
2nd Floor, Above Balakrishna
Farsan Mart, Opp. Apna Restaurant,
Near Kamarajar School,
90 Feet Road,
9004882470

हर दूसरे रविवार

MULUND

Timing: 5PM - 7:30PM

Shekinah NLA Church,
Vijay Nagar, Near Vani
Vidyalaya School, Mulund-West
9004882470

हर चौथे रविवार

Mumbai-Malad

Timing: 4.00 PM – 6.00 PM

Bethel Ground Floor
305/E, Mith Chauky,
Marve Road,
Malad (W)
9664050567 | 9619996976

प्रार्थना मार्गदर्शिका

December
2025

शराब की खपत

तमिलनाडु में, 4,829 TASMAL शराब की दुकानों और इन दुकानों से जुड़े लगभग 3,240 बार हैं। प्रतिदिन शराब की बिक्री से ₹120-130 करोड़ की आय होती है, जो सप्ताहांत में बढ़कर ₹140-150 करोड़ हो जाती है।

त्योहारों के मौसम में, यह आँकड़ा 15% और बढ़ जाता है। पिछले साल दिवाली के दौरान शराब की बिक्री ₹438 करोड़ तक पहुँच गई थी। इस साल, सरकार ने ₹600 करोड़ का लक्ष्य रखा था, फिर भी बिक्री उम्मीद से बढ़कर ₹789.85 करोड़ तक पहुँच गई। विशेष रूप से, 18 अक्टूबर, 2025 को बिक्री ₹230.06 करोड़, 19 अक्टूबर को ₹293.73 करोड़ और दिवाली के दिन ₹266.06 करोड़ दर्ज की गई। भारत में, 15 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में, 18.7% पुरुष और 1.3% महिलाएँ शराब का सेवन करती हैं।

प्रार्थना बिंदु

1. तमिलनाडु में शराब की दुकानों को पूरी तरह से बंद करने के लिए प्रार्थना करें।
2. प्रार्थना करें कि नेता और अधिकारी यह समझें कि शराब से होने वाली कमाई आशीष नहीं, बल्कि अभिशाप लाती है।
3. प्रार्थना करें कि शराब की लत से होने वाले परिवारों और रिश्तों के विनाश को रोका जाए।
4. शराब के सेवन से होने वाली दुर्घटनाओं और मौतों से सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।



जलवायु परिवर्तन और मौसमी बीमारियाँ

जलवायु परिवर्तन के कारण, राज्य के विभिन्न हिस्सों में मौसमी बुखार आम हो गए हैं।

आमतौर पर, ये बीमारियाँ अक्टूबर और नवंबर के दौरान व्यापक रूप से फैलती हैं, लेकिन पिछले साल, ये अगस्त से अप्रैल तक बनी रहीं। इस साल भी, बुखार और श्वसन संक्रमण तेज़ी से फैल रहे हैं।

इन्फ्लूएंजा ने सभी आयु वर्ग के लोगों को प्रभावित किया है, जबकि डेंगू बुखार बढ़ रहा है, जिससे लोगों में भय और चिंता पैदा हो रही है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, प्रतिदिन 60-70 लोगों का डेंगू का इलाज किया जा रहा है। इस वर्ष अब तक 14,000 से ज़्यादा मामले सामने आ चुके हैं और 7 लोगों की जान जा चुकी है।

प्रार्थना बिंदु

1. मौसमी बदलावों से होने वाली बीमारियों से सभी के लिए परमेश्वर की अलौकिक सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।
2. प्रार्थना करें कि सरकार बुखार और श्वसन संबंधी बीमारियों को फैलने से रोकने के लिए निवारक उपाय करे।
3. डेंगू बुखार से प्रभावित सभी लोगों के पूर्ण स्वास्थ्य और बरसात के मौसम में परमेश्वरीय सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।
4. प्रार्थना करें कि जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले संक्रमणों का प्रसार रुके और लोग संक्रामक रोगों से सुरक्षित रहें।



बढ़ती खाद्य कीमतें

भारत, जो अब दुनिया की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, एक गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है - खाद्य कीमतों में तेज़ वृद्धि, जिससे कई परिवारों के लिए स्वस्थ भोजन खरीदना असंभव हो गया है। 2024 में किए गए सर्वेक्षणों के अनुसार, पिछले पाँच वर्षों में अकेले मुंबई में खाद्य कीमतों में 65% की वृद्धि देखी गई है।

विश्व बैंक ने एक चौंकाने वाली रिपोर्ट जारी की है जिसमें कहा गया है:

- रूस में, 93% लोग स्वस्थ भोजन का खर्च नहीं उठा सकते।
- पाकिस्तान में, 83% लोग इसी समस्या का सामना करते हैं।
- भारत में, 74% आबादी पौष्टिक भोजन से वंचित है।

प्रार्थना बिंदु

1. प्रार्थना करें कि कई राज्यों में बाढ़ और फसलों के विनाश से उत्पन्न खाद्यान्न की कमी दूर हो।
2. सूखे से जूझ रहे दक्षिणी राज्यों में प्रचुर वर्षा और आशीष के लिए प्रार्थना करें, ताकि कृषि फिर से फल-फूल सके।
3. प्रार्थना करें कि परमेश्वर नियत समय पर वर्षा करें और किसानों के आँसू पोछें।
4. प्रार्थना करें कि भारत की अर्थव्यवस्था समृद्ध हो और मुद्रास्फ़ीति तथा खाद्य पदार्थों की कीमतें कम हों।

मिलावटी और नकली दवाइयाँ

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया है कि भारत में कई अनधिकृत कंपनियों द्वारा नकली और घटिया दवाइयाँ बेची जा रही हैं। हाल ही में, मध्य प्रदेश और राजस्थान में मिलावटी कफ सिरप से 20 बच्चों की मौत ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। जाँच से पुष्टि हुई कि कांचीपुरम स्थित श्रीसन फार्मा द्वारा कोल्ड्रिप ब्रांड नाम से निर्मित सिरप में- डायएथिलीन ग्लाइकॉल नामक एक घातक विष पाया गया था। पिछले छह वर्षों में, इसी तरह के मिलावटी सिरप के कारण 120 से ज़्यादा बच्चों की मौत हो चुकी है।

कफ सिरप में आमतौर पर प्रोपिलीन ग्लाइकॉल, ग्लिसरीन और सॉर्बिटोल जैसे सॉल्वेंट्स होते हैं जो सामग्री को घोलते हैं।

हालाँकि, इन मामलों में, निर्माताओं ने गलती से या लापरवाही से औद्योगिक-ग्रेड डायथिलीन ग्लाइकॉल का इस्तेमाल किया, जो एक ज़हरीला रसायन है जो गुर्दे को गंभीर नुकसान, तंत्रिका तंत्र की विफलता और मृत्यु का कारण बनता है। भारत दवा निर्यात से सालाना लगभग 30 अरब डॉलर (₹3,000 करोड़) कमाता है, लेकिन ऐसी लासदियाँ दवा उत्पादन में लापरवाही के काले पहलू को उजागर करती हैं।

प्रार्थना बिंदु

1. प्रार्थना करें कि नकली दवाओं के उत्पादन और वितरण पर कड़ी निगरानी रखी जाए और उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाए।
2. प्रार्थना करें कि नकली दवाओं की तुरंत पहचान की जाए और उन्हें किसी को नुकसान पहुँचाने से पहले ही नष्ट कर दिया जाए।
3. प्रार्थना करें कि मिलावटी दवाएँ बनाने वाली कंपनियों के लाइसेंस रद्द कर दिए जाएँ, और ज़िम्मेदार लोगों को अपने किए पर पश्चाताप हो।
4. प्रार्थना करें कि दूषित या घटिया दवाओं के कारण अब और कोई जान न जाए।

मैं एक प्रार्थना योद्धा हूँ

पिछले ग्यारह महीनों में, हमने कई प्रकार की प्रार्थनाओं पर विचार किया है—प्रत्येक का अपना अनूठा उद्देश्य और अलौकिक महत्व है। अब जब हम इस वर्ष के अंतिम महीने में पहुँच चुके हैं, तो इन बारह महीनों में प्रभु की भलाई के लिए भले ही हम उन्हें लाखों बार धन्यवाद दें, फिर भी यह पर्याप्त नहीं होगा।

इस महीने, जब हम धन्यवाद की प्रार्थना पर मनन करते हैं, तो आइए कुछ आवश्यक सत्यों पर विचार करें।

धन्यवाद की प्रार्थना

धन्यवाद की प्रार्थना क्या है?

धन्यवाद की प्रार्थना परमेश्वर के प्रति कृतज्ञता की अभिव्यक्ति है—उनकी सहायता, उनके आशीर्वाद और उनके अटूट प्रेम के लिए। जब हम दूसरों के लिए कुछ अच्छा करते हैं तो कृतज्ञता की अपेक्षा करना मानव स्वभाव है।

जब कोई हमारी सहायता प्राप्त करता है और हमें धन्यवाद नहीं देता, तो उससे दुख होता है। उसी तरह, जब हम परमेश्वर की भलाई के लिए धन्यवाद देना भूल जाते हैं, तो यह उनके हृदय को दुःखी करता है। इसलिए, यह आवश्यक है कि हम कृतज्ञ हृदय वाले व्यक्ति बनें, और प्रभु के लाभों को कभी न भूलें।

बाइबल में धन्यवादपूर्ण प्रार्थना के उदाहरण

◀ दाऊद – कई भजनों में, दाऊद ने लगातार प्रभु को धन्यवाद दिया (भजन 107:1-3)।

◀ यशायाह – अध्याय 12 में, उसने परमेश्वर के लिए धन्यवाद का एक सुंदर गीत गाया।

◀ पौलुस – कुलुस्सियों 4:2 में, पौलुस प्रोत्साहित करता है, “प्रार्थना में लगे रहो, और धन्यवाद के साथ उसमें जागृत रहो।”

वह कुलुस्सियों 3:17 में भी लिखता है, “और जो कुछ भी तुम करते हो,

वचन से या कर्म से, सब प्रभु यीशु के नाम से करो, और उसके द्वारा परमेश्वर पिता का धन्यवाद करो।”

◀ इसाएली – पुराने नियम में, इसाएली अक्सर परमेश्वर के महान कार्यों के लिए धन्यवाद की प्रार्थनाएँ करते थे। उदाहरण के लिए, भजन 107 में, उन्होंने उन्हें बंधुआई और संकट से छुड़ाने के लिए उसकी स्तुति की।

यीशु और एक कृतज्ञ कोढ़ी

जब दस कोढ़ियों ने यीशु से दया की गुहार लगाई, तो उन्होंने कहा, “जाओ, अपने आप को याजकों को दिखाओ।”

जब वे गए, तो दसों ठीक हो गए। फिर भी केवल एक व्यक्ति—एक सामरी—यीशु का धन्यवाद करने लौटा, उनके चरणों में गिरकर ऊँची आवाज़ में परमेश्वर की स्तुति की। तब यीशु ने पूछा, “क्या दसों शुद्ध नहीं हुए? बाकी नौ कहाँ हैं? क्या इस परदेशी को छोड़ कोई परमेश्वर की स्तुति करने नहीं लौटा?” और उन्होंने उस व्यक्ति से कहा, “उठो



और जाओ; तुम्हारे विश्वास ने तुम्हें चंगा कर दिया है।”
(लूका 17:17-19)

उन दिनों, कोढ़ियों को घरों और समुदायों से निकाल दिया जाता था। कोई इलाज नहीं था, और घर लौटने से पहले केवल एक पुजारी ही उनके ठीक होने की पुष्टि कर सकता था। कल्पना कीजिए कि जब यीशु ने उन्हें ठीक किया तो उनकी कितनी खुशी हुई होगी! फिर भी, उनमें से नौ लोग उसी का धन्यवाद करना भूल गए जिसने उन्हें नया जीवन दिया था। शायद उन्होंने सोचा होगा, “यीशु ने हमें जाने के लिए कहा है, तो चलो आज्ञा मानते हैं।” कृतज्ञता का भाव उनके मन में कभी नहीं आया।

कितनी बार हमने हताश होकर परमेश्वर से पुकारा है — “हे प्रभु, कृपया मेरी सहायता करो!” — और जब उन्होंने उत्तर दिया, तो अपनी दया भूलकर, दूर चले गए?

क्या ऐसे दिन भी आए हैं जब आप उनके अनगिनत आशीषों के लिए उनका धन्यवाद करना भूल गए हों? आइए आज उनके चरणों में लौटें। आइए उनके आगे झुकें और हृदय से धन्यवाद अर्पित करें। जिस तरह यीशु ने उन नौ लोगों को ढूँढ़ा जो वापस नहीं लौटे, उसी तरह वह आज भी हमें ढूँढ़ रहे हैं—जिन्हें उन्होंने अपना लहू बहाकर छुड़ाया था। आइए हम कृतज्ञ हृदय से उस भले और अनुग्रहकारी परमेश्वर के पास लौटें।

वर्ष के अंत में

हम इस वर्ष के अंत में आ गए हैं। आइए रुकें और इन महीनों में हमारे लिए किए गए हर आशीषों के लिए प्रभु का धन्यवाद करें।

क्या आपने कभी सोचा है, “मैं परमेश्वर का धन्यवाद क्यों करूँ? मैंने इसे अपनी शक्ति और बुद्धि से अर्जित किया है।”?

यदि ऐसा है, तो यह याद रखें: “प्रभु की शुद्ध कृपा से ही हम स्थिर हैं और नष्ट नहीं हुए हैं।” हम आज केवल उनकी दया के कारण ही जीवित हैं।

कृतज्ञता क्यों मायने रखती है

जब हम परमेश्वर की भलाई को भूल जाते हैं, तब अभिमान और अहंकार हमारे हृदय पर हावी होने लगते हैं। सच तो यह है कि हम अब वहाँ नहीं हैं जहाँ हम पहले थे—प्रभु ने हमें ऊपर उठाया है।

जब हम अपने अतीत और उनकी दी हुई परिस्थितियों को भूल जाते हैं, तो अभिमान हमारे अंदर घुस आता है और फुसफुसाता है, “मैं दूसरों से बेहतर हूँ।” इसलिए हमारी प्रार्थना यह होनी चाहिए:

“प्रभु यीशु, मुझे एक कृतज्ञ हृदय प्रदान करें—ऐसा हृदय जो आपके द्वारा किए गए उपकारों को कभी न भूले।”

प्रिय युवा मिलों,

हर चीज़ में कृतज्ञ रहें। परमेश्वर आपसे बड़े त्याग या धन की अपेक्षा नहीं करते—वे केवल आपकी कृतज्ञता चाहते हैं। चाहे कुछ भी हो जाए, उनका धन्यवाद करें। कृतज्ञ हृदय से की गई आपकी हर प्रार्थना का परमेश्वर अवश्य उत्तर देंगे। और उनकी उपस्थिति सदैव आपके साथ रहेगी।

विश्व जागृति प्रार्थना भवन

Our Branches

Mumbai (Dharavi)

World Revival Prayer Center, T/1 Block No.11,
90 Feet Road, Rajiv Gandhi Nagar Dharavi, Mumbai - 400 017
Email: br.dharavi@jesusredeems.org, Ph: +91 8082410410

Ranchi

World Revival Prayer Centre, Kadru Sarna Tola,
Near Argora Railway Station, Road no -1, Doranda P.O
Ranchi - 834 002, Jharkhand,
Email: br.ranchi@jesusredeems.org, Ph: 9523336010

Delhi

World Revival Prayer Centre, Plot no 152, Ground floor,
Pratap nagar opposite harinagar bus depot, New Delhi - 110064
Email: br.delhi@jesusredeems.org, Ph: 011-25616253 / 35580428

Mumbai (Malad)

World Revival Prayer Center, Bethel, Plot 305/E,
Mith Chowky Marve Road, Malad(w) Mumbai - 400064
Ph: +91 9664050567

Chandigarh

World Revival Prayer Centre, SCO-19 1st Floor,
Ranjan Plaza Market, Opp. to motia Homes,
Zirakpur, Mohali Dt., Punjab - 140603
Email: br.chandigarh@jesusredeems.org, Ph-9417726492

Come and Pray



Achievement: Suma

"विजय का चक्र"!

मेरे सभी प्यारे युवा सफल व्यक्तियों को हार्दिक अभिवादन!
इस संसार में ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे हम पूरा न कर सकें। फिर भी, हममें से कई लोग, जैसे ही किसी बाधा या संघर्ष का सामना करते हैं, हार मान लेते हैं और कहते हैं, "मैं अब और नहीं कर सकता।" लेकिन जो लोग अलग तरह से सोचते हैं - जो कहते हैं, "असफलता या संघर्ष को आने दो; यह मुझे नहीं रोक सकता!" और साहस और एकाग्रता के साथ आगे बढ़ते हैं - सफलता उन्हीं के पीछे दौड़ती है।
यहाँ एक ऐसी ही सफल व्यक्ति की प्रेरक यात्रा जिसने असंभव को संभव में बदल दिया - एकता भयान की कहानी।



साहस से पुनःलिखा गया जीवन

एकता भयान का जन्म 1985 में भारत के हरियाणा राज्य में हुआ था। हर दूसरे बच्चे की तरह, वह पढ़ाई और खेल दोनों में सक्रिय थीं, जोश और दृढ़ संकल्प से भरपूर।

लेकिन 2003 में, जब वह सिर्फ 17 साल की थीं, एक दुखद बस दुर्घटना ने उनकी जिंदगी हमेशा के लिए बदल दी। उन्हें रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट लगी जिससे उनकी कमर से नीचे का हिस्सा लकवाग्रस्त हो गया। डॉक्टरों ने कहा कि वह फिर कभी नहीं चल पाएंगी और उसे अपना बाकी जीवन व्हीलचेयर पर बिताना होगा।

जो उसके सपनों का अंत हो सकता था, वही उसके जीवन का निर्णायक मोड़ बन गया। एकता ने निराशा या आत्म-दया में डूबने से इनकार कर दिया। इसके बजाय, उसने आशा और खुशी के साथ एक नई शुरुआत की और अपने जीवन को फिर से सार्थक बनाने का दृढ़ संकल्प किया।

सीमाओं से आगे बढ़ना

उसने अंग्रेजी में अपनी मास्टर डिग्री पूरी की और 2011 में प्रतिष्ठित हरियाणा सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण की। अब वह राज्य के रोजगार विभाग में सहायक निदेशक के रूप में कार्यरत हैं।

2014 में, उसने एक बार फिर खेलों की ओर रुख किया - इस बार एक पैरा-एथलीट के रूप में। उसने क्लब श्रो और डिस्कस श्रो स्पर्धाओं का प्रशिक्षण शुरू किया, ऐसे खेल जिनमें अत्यधिक अनुशासन और दृढ़ता की आवश्यकता होती है।

उसकी कड़ी मेहनत जल्द ही रंग लाई। 2016 में, बर्लिन में आयोजित आईपीसी ग्रेड प्री में, उसने क्लब श्रो वर्ग में रजत पदक जीता। दो



साल बाद, जकार्ता में आयोजित 2018 एशियाई पैरा खेलों में, उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया।

अपनी सफलता को जारी रखते हुए, 2025 में, नई दिल्ली में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में, उन्होंने क्लब श्रो स्पर्धा में एक बार फिर रजत पदक हासिल किया - उनका नौवां अंतर्राष्ट्रीय पदक!

उनके अद्भुत साहस और उपलब्धियों के सम्मान में, उन्हें 2018 में "वर्ष की सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग एथलीट" श्रेणी के अंतर्गत दिव्यांगजन सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।



एक प्रेरणादायक कहानी

प्रिय पाठकों, एकता का जीवन एक दुर्घटना से पूरी तरह बदल गया - लेकिन उसने अपनी कहानी को यहीं खत्म होने देने के बजाय, साहस के साथ इसे फिर से लिखा। अगर उसने यह सोच लिया होता कि "मैं अब कुछ नहीं कर सकती," तो आज हममें से कोई भी उसका नाम नहीं जानता होता। यह उसका दृढ़ विश्वास था - "चाहे मेरे रास्ते में कोई भी आए, मैं उससे पार पा सकती हूँ" - जिसने उसे जीत की राह पर पहुँचाया। और आज, वही सवाल आपके सामने है: आपका फैसला क्या होगा? आप कहेंगे, "मैं कर सकता हूँ" या "मैं नहीं कर सकता"? जवाब आपके हाथ में है।

हर पांचवें रविवार को हमारे पास युवाओं के लिए एक विशेष कार्यक्रम होता है - "रिवाइवल इन्साइटर फ़ेलोशिप"। यह जीसस रिडीम्स मिनिस्ट्रीज के यूट्यूब चैनल पर 06/03/2026 और 31/05/2026 को दोपहर 3:00 बजे "लाइव" प्रसारित किया जाएगा। कृपया अधिक जानकारी के लिए नीचे दिए गए नंबर पर हमसे संपर्क करें।



संपर्क संख्या: +919750955548



Jesus Redeems - Hindi



www.comfortertv.com

युवा जीवन

यीशु उद्धार करता है युवा तंबू के माध्यम से "युवा जीवन" नामक मासिक पत्रिका तमिल, अंग्रेज़ी, हिंदी, मलयालम, तेलुगू, कन्नड़ और बांग्ला भाषाओं में प्रकाशित की जा रही है।

हर महीने प्रकाशित होने वाली युवा जीवन पत्रिका को आप प्राप्त करना चाहते हैं तो किस भाषा में चाहिए, उस भाषा के सामने टिक करके उस भाग का फोटो लेकर अपनी स्पष्ट पता विवरण के साथ हमें व्हाट्सएप करें।



+91 9750955548



youth@jesuredeems.org



पुनरुद्धार बीज



जॉन जी. पैटन

एक मिशनरी जिसे मसीह के लिए किसी बात का डर नहीं था
पिछले महीने, हमने रेवरेंड एलेक्जेंडर डफ़ के मिशनरी कार्य के बारे में पढ़ा। इस महीने, आइए एक और मिशनरी के जीवन पर
नज़र डालें जिन्होंने निडर होकर प्रभु की सेवा की - एक ऐसे व्यक्ति जो एक खतरनाक द्वीप पर क़र नरभक्षियों के बीच, घातक
हथियारों से लैस जनजातियों से घिरे हुए, निडरता से खड़े रहे। प्रेम और करुणा के साथ, उन्होंने सुसमाचार के लिए स्वयं को
समर्पित कर दिया, मसीह के लिए अपनी जान देने से भी नहीं डरे।

प्रारंभिक जीवन

जॉन जी. पैटन का जन्म 1824 में स्कॉटलैंड में हुआ था। बचपन में, उनके घर में एक छोटा सा कमरा था जिसे “पवित्र स्थान” कहा जाता था। उनके पिता दिन में तीन बार उस कमरे में प्रार्थना करने जाते थे। अपने पिता के प्रार्थना जीवन को देखकर युवा जॉन पर गहरा प्रभाव पड़ा, और उनमें मसीह को व्यक्तिगत रूप से जानने और एक मिशनरी के रूप में उनकी सेवा करने की इच्छा जागृत हुई।

जॉन ने ग्लासगो के एक सेमिनरी में धर्मशास्त्र का अध्ययन किया और साथ ही एक स्थानीय स्कूल में शिक्षक के रूप में भी काम किया। वे ग्लासगो सिटी मिशन से भी जुड़े, जो गरीबों और वंचितों की सेवा करने वाला एक संगठन है। दस वर्षों तक, उन्होंने इस मिशन में कड़ी मेहनत की, उसके बाद ही उन्हें अपने परिश्रम का प्रत्यक्ष फल मिला।

उनकी सेवकाई के माध्यम से कई शराबी, निठल्ले और ईश-निन्दा करने वाले मसीह की ओर आकर्षित हुए। अपने भारी कार्यभार के बावजूद, उन्होंने अपनी धार्मिक शिक्षा निष्ठापूर्वक जारी रखी।

खतरनाक देशों की बुलाहट

जब कोई भी नाश हो रहे जनजातियों के पास जाकर सुसमाचार सुनाने को तैयार नहीं था, तो जॉन को एक अलौकिक बुलाहट महसूस हुआ: “तुम उठो और इस मिशन के लिए स्वयं को समर्पित करो।”

इस आह्वान का पालन करते हुए, 34 वर्ष की आयु में (1858 में), जॉन और उनकी पत्नी न्यू हेब्राइड्स द्वीप समूह के लिए रवाना हुए। एक लंबी यात्रा के बाद, वे तत्रा पहुँचे, जो एक ऐसा द्वीप था जहाँ जंगली नरभक्षी रहते थे - एक ऐसा स्थान जो खतरों से भरा था, लेकिन सुसमाचार की सख्त ज़रूरत थी।

जॉन ने पहले उनकी भाषा सीखने, बाइबल का अनुवाद करने और उन्हें उसे पढ़ना सिखाने का संकल्प लिया। लेकिन चीजें वैसी नहीं हुईं जैसी उन्होंने उम्मीद की थी। कुछ ही समय में, उनकी पत्नी की मलेरिया से मृत्यु हो गई, और दो हफ़्ते बाद, उनके नवजात बेटे की भी मृत्यु हो गई। फिर भी जॉन ने हिम्मत नहीं हारी। उनका मानना था कि परमेश्वर ने उन्हें किसी उद्देश्य से वहाँ भेजा था और उन्होंने अपना मिशन जारी रखा, हालाँकि वे अकेले थे - एक विधुर और एक शोकाकुल पिता, एक शत्रुतापूर्ण भूमि में।

उत्पीडन का सामना

द्वीपवासी दुष्टात्माओं और अपने पूर्वजों की आत्माओं की पूजा करते थे। उन्हें प्राकृतिक मृत्यु की कोई समझ नहीं थी। जब भी कोई मरता, तो वे जॉन को दोषी ठहराते और कहते, “तुम्हारे परमेश्वर की वजह से यह मृत्यु हुई है, इसलिए हम तुम्हें मार डालेंगे!”

उस देश के जादूगरों को डर था कि अगर लोगों ने सुसमाचार स्वीकार कर लिया, तो उनकी अपनी शक्ति और प्रभाव समाप्त हो जाएगा। इसलिए, जब भी विपत्तियाँ आतीं, तो वे लोगों को मिशनरियों पर आरोप लगाने के लिए उकसाते, यह दावा करते हुए कि, “इन गोरे लोगों ने देवताओं को क्रोधित किया है!” और उन्हें मारने की कोशिश करते।

जॉन की सेवकाई खतरों, उत्पीडन और धमकियों से भरी थी। फिर भी, निरंतर भय और कठिनाई के बीच भी, उन्होंने चार साल तक काम जारी रखा। अंततः, वे थोड़े आराम के लिए स्कॉटलैंड लौट आए। वहाँ, उन्होंने कई कलीसियाओं में प्रचार किया और अपने मिशन क्षेत्र की ज़रूरतों के बारे में बताया। उनकी भावुक गवाही ने चार युवकों को उन्हीं द्वीपों पर मिशनरियों के रूप में अपना जीवन समर्पित करने के लिए प्रेरित किया।

अनिवा मिशन

जनवरी 1865 में, जॉन पास के अनिवा द्वीप चले गए। वहाँ भी, ख़तरे उनका इंतज़ार कर रहे थे, लेकिन उनका विश्वास अटल था। उन्होंने अनिवा भाषा सीखी और तन्ना में अपनाए गए उन्हीं तरीकों का इस्तेमाल किया—धर्मग्रंथों का अनुवाद, साक्षरता सिखाना और यीशु मसीह का प्रचार करना।

समय के साथ, कई द्वीपवासियों ने यीशु को स्वीकार किया। फिर भी विरोध जारी रहा—प्रकृति और मनुष्यों की ओर से। चूँकि द्वीप पर पीने या धोने के लिए स्वच्छ पानी का अभाव था, इसलिए जॉन ने एक कुआँ खोदने का फैसला किया। लोगों ने उनका मज़ाक उड़ाते हुए कहा, “पानी तो सिर्फ़ आसमान से

बारिश के ज़रिए आता है। यह आदमी इसके लिए ज़मीन खोदने के लिए पागल है!”

लेकिन जॉन विश्वास और प्रार्थना से भरे हुए खुदाई करते रहे। एक दिन, ज़मीन नम हो गई—यह इस बात का संकेत था कि पानी पास है। उन्होंने गाँव वालों को इकट्ठा किया और गड्डे से पानी निकाला। आश्चर्यचकित होकर, वे चिल्लाए, “कितना अद्भुत! ज़मीन के नीचे से बारिश आ रही है!”

जब उन्होंने पूछा कि यह कैसे संभव हुआ, तो जॉन ने कहा, “हमारे पास पानी नहीं था, इसलिए मैंने परमेश्वर से प्रार्थना की और उसने हमें पानी दे दिया।” द्वीप का मुखिया आश्चर्यचकित होकर चिल्लाया, “यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है!” उस कुएँ ने वह कर दिखाया जो वर्षों के उपदेश भी नहीं कर पाए—इसने लोगों के हृदयों को जीवित परमेश्वर की ओर मोड़ दिया। बहुत से लोगों ने यीशु पर विश्वास किया और बपतिस्मा लिया। सूखे के मौसम में, लोग उसी कुएँ से पानी पीकर जीवित रहते थे।

एक स्थायी विरासत

1899 में, जॉन पैटन ने अनिवा भाषा में नया नियम प्रकाशित किया। एक उपासना स्थल की आवश्यकता

को समझते हुए, नए विश्वासियों ने मिलकर खुशी-खुशी एक चर्च का निर्माण किया। उन्होंने उनकी भाषा में एक भजन की किताब भी संकलित और मुद्रित किया और दो अनाथालयों की स्थापना की। उनमें से कई अनाथ बाद में शिक्षक और सुसमाचार प्रचारक बन गए।

चाहे कितनी भी परीक्षाएँ क्यों न आईं, जॉन ने अपने अटूट विश्वास को बनाए रखा: “जिसने मुझे बुलाया है, वह विश्वासयोग्य है। उसका हाथ मुझे मार्ग दिखाएगा, और वह मुझे कभी नहीं छोड़ेगा।” उनकी अथक सेवा के कारण, आज भी अनगिनत लोग मसीह की आराधना करते हैं। आइए हम भी अपने आप को पूरी तरह से यीशु और उसके राज्य के लिए समर्पित करें, उसी जुनून, साहस और समर्पण के साथ जो जॉन जी. पैटन, द्वीपों के निडर मिशनरी के जीवन में था।





समाचार

भारत में रिकॉर्ड तोड़ UPI लेनदेन!



एक ऐतिहासिक वित्तीय उपलब्धि के रूप में, भारत ने UPI (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफ़ेस) लेनदेन में एक अभूतपूर्व रिकॉर्ड हासिल किया है, जिसका कुल हस्तांतरण मूल्य केवल एक महीने में ₹27.28 लाख करोड़ रहा।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) द्वारा जारी नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर के दौरान, UPI लेनदेन की कुल संख्या 2,070 करोड़ तक पहुँच गई, जो सितंबर के आंकड़ों की तुलना में 3.6% की वृद्धि दर्शाता है। भारत के डिजिटल भुगतान इतिहास में पहले कभी नहीं देखी गई यह अभूतपूर्व वृद्धि, GST सुधारों और त्योहारी सीज़न में हुई वृद्धि के कारण है, जिससे UPI के माध्यम से डिजिटल धन का प्रवाह उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है।

भारत में औसतन प्रतिदिन ₹66.8 करोड़ UPI लेनदेन दर्ज किए गए, जो पूरे देश में कैशलेस भुगतान को व्यापक रूप से अपनाने को दर्शाता है।

- दिनांकन, 3 नवंबर

AI ने नौकरियों में भारी उछाल ला दिया है!
1 लाख से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी - अमेज़न, माइक्रोसॉफ्ट और इंटेल के कर्मचारी भयभीत



आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के उदय ने न केवल नवाचार, बल्कि वैश्विक तकनीकी उद्योग में व्यापक चिंता भी पैदा की है। अमेज़न, इंटेल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी प्रमुख कंपनियों ने इस साल सामूहिक रूप से 1,12,000 कर्मचारियों की छंटनी की है। अकेले अमेज़न ने 2022 में 27,000 कर्मचारियों की छंटनी के बाद 30,000 कर्मचारियों को बर्खास्त करने की योजना की घोषणा की है, जिससे कॉर्पोरेट जगत में हड़कंप मच गया है।

एक स्वतंत्र निगरानी प्लेटफ़ॉर्म, Layoffs.fyi के अनुसार, TCS सहित 218 तकनीकी कंपनियों ने स्वचालन और एआई एकीकरण के कारण अपने कर्मचारियों की संख्या कम कर दी है। इंटेल कथित तौर पर इस साल 24,000 नौकरियों में कटौती करने वाला है, जिससे उसके कुल कर्मचारियों की संख्या 1 लाख से घटकर 75,000 हो जाएगी।

इस बीच, TCS ने 20,000 पदों में कटौती की है, और माइक्रोसॉफ्ट ने लगभग 9,000 कर्मचारियों की छंटनी की है, जो तकनीकी उद्योग में एआई क्रांति के कारण आए झटकों को और उजागर करता है।

- दिनांकन, 2 नवंबर

माउंट सीने

2025

(एक-दिवसीय युवा उपवास प्रार्थना)



इन अंतिम दिनों में, राष्ट्र के लिए मध्यस्थ बनकर खड़े होने वाले तथा नाश हो रही आत्माओं तक सुसमाचार पहुँचाने वाले योद्धाओं के रूप में युवाओं को उठना ही होगा—इस धक्कले हुए दर्शन के साथ, पिछले 15 वर्षों से हर दिवाली के दिन माउंट सीने एक-दिवसीय युवा उपवास प्रार्थना सभाएँ विभिन्न स्थानों पर आयोजित की जा रही हैं। इस वर्ष भी, परमेश्वर के अनुग्रह से, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, पांडिचेरी और महाराष्ट्र राज्यों में कुल 33 स्थानों पर माउंट सीने सभाएँ आयोजित की गईं। लगभग 6,500 युवा पूरे दिन उपवास और प्रार्थना में एकत्रित हुए।

युवाओं को एलियाह के समान उठते देखने की गहरी लालसा के साथ, इस वर्ष का विषय था: "उठो हे एलियाह! सामर्थ्य का वस्त्र धारण करो।" पहले सत्र में, प्रभु ने अपने दासों के माध्यम से युवाओं को एलियाह की तरह परमेश्वर की उपस्थिति में खड़े होने की चुनौती दी। दूसरे सत्र में, वचन ने इस बात पर जोर दिया कि युवा विश्वासियों के लिए परमेश्वर द्वारा दी गई सामर्थ्य और आत्मिक वरदानों में चलना कितना आवश्यक है। धारावी में, प्रभु ने भा. दिनाकरन को सामर्थ्य के साथ उपयोग किया। अनेक युवाओं ने राष्ट्र के लिए मध्यस्थ बनकर खड़े होने, निडर होकर सुसमाचार बाँटने, परमेश्वर को अप्रसन्न करने वाली हर बात से दूर रहने और पुनर्जागरण के लिए निष्ठापूर्वक परिश्रम करने के लिए स्वयं को समर्पित किया।



क्रिसमस का दिन:
दूसरों
की मदद करने के
आसान तरीके

प्रभु यीशु मसीह ने कहा, "भलाई करो।"

बाइबल हमें याद दिलाती है:

"जब तक तुझमें शक्ति हो, तब तक जिनका भला करना चाहिए, उनका भला करने से न रुकना।" — नीतिवचन 3:27

इसलिए, क्रिसमस हमारे लिए भले काम करने का एक खूबसूरत अवसर है।

कुछ लोग सचमुच भलाई करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें समझ नहीं आता कि शुरुआत कैसे करें। ऐसे लोगों के लिए, इस क्रिसमस को खास बनाने के कुछ आसान लेकिन सार्थक तरीके यहां दिए गए हैं:

- भूखों को भोजन कराएँ।
- वंचित परिवारों को क्रिसमस उपहार दें।
- ज़रूरतमंद बच्चों को उपहार दें।

• बुजुर्गों और अकेले लोगों से मिलें, उनके साथ समय बिताएँ, उनसे गर्मजोशी से बात करें, और साथ में चाय या भोजन का आनंद लें।

- बेघर लोगों को कंबल, भोजन और अन्य ज़रूरी चीज़ें बाँटें।



IN Mumbai

Achievers

(A Special Prayer for Students Appearing for Exams)



25th January 2025

@ 5pm

World Revival Prayer Center
Jesus Redeems Ministries,
2nd floor, Above Balakrishna Farsan Mart,
Opp. Apna Restaurant, Near Kamarajar School,
90 Feet Road, Dharavi, Mumbai-400 017

God's Message: Bro Jayabaskar

Ph. Number: +91 9004882470

